

65 फीसदी किशोर छात्राएं एनीमिया से पीड़ित

एनीमिया व थैलेसीमिया के बारे में किया जागरूक

■ एफएमआरआई एक्सपर्ट टीम के सहयोग से स्कूलों में चलाया अभियान

गुडगांव, 9 जुलाई (संजय): 65 फीसदी से ज्यादा किशोर लड़कियां एनीमिया (खून की कमी) से पीड़ित हैं। जो यह याद दिलाता है कि एनीमिया देश की सबसे गंभीर लेकिन रोकी जा सकने वाली पब्लिक हेल्थ चुनौतियों में से एक बना हुआ है।

ऐसे जागरूकता सत्र जैसे सार्थक पहल से बदलाव की शुरुआत संभव है। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर समय समय पर जागरूकता सत्र आयोजित किए जाते रहे हैं। इस माह डॉ. राहुल भार्गव व उनकी एफएमआरआई की एक्सपर्ट टीम के सहयोग स्कूलों में एनीमिया व थैलेसीमिया के बारे में जागरूकता



जागरूकता सत्र में शामिल छात्र व शिक्षक।

सत्र आयोजित की गई। जहां पर छात्रों से इसके लक्षणों को पहचानने, बचाव के तरीकों को समझने व बीमारी का जल्दी पता लगाने जैसे महत्वपूर्ण तथ्यों पर जरूरी जानकारी दे रहे हैं। इस अवसर पर बीएमटी विशेषज्ञ डा. राहुल भार्गव जानकारी परख विशेष सत्र आयोजित किए हुए। जिसमें खेडकीदौला व नरसिंहपुर स्कूलों में 380 से ज्यादा छात्र व

शिक्षक शामिल हुए। सेशन में शामिल विशेषज्ञों में प्रमुख रूप से डॉ. परितोष गर्ग, एसोसिएट कंसल्टेंट, डिपार्टमेंट ऑफ़ हेमेटोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट व डॉ. अनीता सिंह शामिल रही। इस विशेष बातचीत में सेहतमंद विकल्प चुनने के लिए प्रेरित करने की ताकत होती है। हर जागरूक छात्र में एक सेहतमंद समुदाय का समर्थक बनने की क्षमता होती है।